वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 26 | गुरुवार 25 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

नौतपा से पहले गर्मी नौ-दो-ग्यारह

10 :30 बजे पारा 36, 2 :30 बजे 22 डिग्री पर आया, आगे 9 दिन 40 डिग्री पार नहीं करेगा

जयपुर. कासं

इस बार नौतपा का आगाज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के साथ हुआ है। बैक-टू-बैक पश्चिमी विक्षोभ सिस्टम एक्टिव होने से अगले नौ दिन गर्मी और लू चलने की बजाय ओले बारिश का दौर चलेगा। मौसम बदलने से अगले नौ दिन पारा सामान्य से 4-5 डिग्री कम रहेगा। राजधानी जयपुर में सुबह धूप तल्खी रही, लेकिन दस बजे तक अचानक बादल छाए और दोपहर बाद काले घने बादलों के साथ तेज हवा चली। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में 85 से 89 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार हवा चली और तेज बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक पूरे शहर में मूसलाधार बारिश का दौर चला। इस दौरान कई इलाकों में ओले भी गिरे। बारिश से पहले सुबह 10.30 बजे पारा 36 डिग्री पर था, जो बारिश के बाद 2.30 बजे 22 डिग्री आ गया।

दस साल में दूसरी बार पारा मई में 43 डिग्री से ऊपर नहीं जाएगा

मंगलवार को अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था, लेकिन बुधवार को मौसम का मिजाज बदलने के बाद तापमान 6-7 डिग्री सेल्सियस पर ही आ गया। जयपुर में 13.2 मिमी पानी बरसा। मूसलाधार बारिश के चलते विजिबिलिटी भी घटकर 10-15 मीटर ही रह गई। मई में लगातार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहने से आंधी बारिश का दौर चला। इस बार मई में अधिकतम पारा 43 डिग्री से ऊपर नहीं गया। 10 साल में 2021 के अलावा हर बार मई में अधिकतम तापमान 44 डिग्री से अधिक रहा। 2021 में पारा 42.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था। मौसम विभाग के अगले 7 दिन आंधी बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया था, इस बार नौतपा में गर्मी बेअसर रहेगी।

तेज बारिश के साथ बिजली की चेतावनी

पूर्वी राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ पूरी तरह एक्टिव हो गया है। दोपहर से ही तेज हवाओं के साथ मौसम पलटा और आसमान पर बादल छा गए। इसके साथ ही कई जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने आज जयपुर, जयपुर शहर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़,सीकर, नागौर, बीकानेर,श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, पाली, अजमेर जिलों और आसपास के क्षेत्रों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी किया है। इन सभी स्थानों पर तेज हवाओं के साथ आकाशीय बिजली गिर सकती है।मौसम विभाग का कहना है कि पाकिस्तान से पंजाब बॉर्डर पर सक्रिय होते पश्चिमी विक्षोभ के कारण राजस्थान के मौसम में बदलाव हो रहा है। यह बदलाव आने वाले चार दिन 28 मई तक जारी रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसकी वजह से जयपुर में देर रात तक कभी मध्यम तो कभी हल्की बारिश होती रही। जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया तथा शाम के बाद से ट्रफिक जाम के हालात बने रहे। इस दौरान सीकर, फतेहपुर, हनुमानगढ़, नोहर, गंगानगर इलाके में कहीं तेज तो कहीं हल्की ओलावृष्टि हुई है। रात्रि 0830 बजे तक जयपुर में 13 एमएम, बीकानेर में 21 एमएम, चुरू में 06 एमएम बारिश दर्ज की गई है। बुधवार शाम तेज अंधड व बारिश के बीच शाहपुरा के बरवाड़ा के एक पशुपालक बलराम रेबारी के बाड़े पर आकाशीय बिजली गिर गई। इससे यहां करीब दर्जनभर से ज्यादा बकरियों की मौत हो गई। इसके अलावा अलवर, भरतपुर, दौसा और आसपास के क्षेत्रों में भी बादल छाए हुए हैं। इससे पहले मंगलवार को धौलपुर में बारिश के साथ आसमानी बिजली भी गिरी, जिससे 5 महिलाएं झुलस कर घायल हो गईं। सीकर, अलवर और करौली में भी बारिश हुई है।

संस्थापित सितम्बर 1996 पंजीयन संख्या- 320 दिनांक 25.09.1996

पू. संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

परमपूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद
एवं परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संस्थापित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर

के अन्तर्गत संचालित

श्री संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं छात्रावास

के तत्त्वावधान में

संस्थान के 26 वर्षों की संपूर्ती के अवसर पर आयोजित

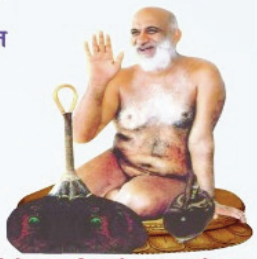

पू. निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर

समापन व सम्मान समारोह

दिनांक 28 मई 2023, रविवार को सायं 7 बजे से

स्थान : तोतूका भवन, भट्टारक जी की नसियां, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

जैन धर्म एवं संस्कृति की अक्षुण्ण परम्परा, श्रमण संस्कृति के सम्पोषण एवं जिनवाणी के तत्त्व ज्ञान के प्रचार प्रसार के लिए श्रावकों को संस्कारित करने हेतु श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर (राज.) द्वारा प्रतिवर्ष संपूर्ण देश एवं विदेशों में ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया गया।

इस वर्ष श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के 26 वर्षों की संपूर्ती के अवसर पर इस महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित होने वाले धार्मिक संस्कार शिविर में आप सभी धर्मप्रेमी बंधुओं ने ग्राम, शहर में धर्म का प्रचार प्रसार करते हुए सच्चे जिनधर्म प्रभावक बन धर्म प्रभावना की एवं धर्म लाभ लिया। जिसके समापन व सम्मान समारोह में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

समारोह गौरवमयी अतिथिगण

व्रति श्राविका शिरोमणि श्रीमती सुशीला जी, शांता जी, तारिका जी पाटनी
(आर.के. मार्बल परिवार)

श्रीमती कांता जी बज, शिप्रा जी जैन

श्रीमती कांताजी
धर्मपत्नी श्रीमान् रतन लाल जी सौगानी

श्रीमती महताब देवी मुशरफ

श्रीमती आशा जी
धर्मपत्नी श्रीमान् सुरेश जी लुहाड़िया

श्रीमती सुमन जी
धर्मपत्नी श्रीमान् सुरेश जी सौगानी

श्रीमती संतोष जी
धर्मपत्नी श्रीमान् अशोक जी पाटनी

विशेष आकर्षण - रत्नाकर पुरस्कार

प्रत्येक मंदिर से प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों की पुनः परीक्षा ली गई उसमें प्रथम आने वाले को पंडित रतन लाल जी बैनाडा की स्मृति में रत्नाकर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जिसकी राशि रू. 2100 व शील्ड दी जायेगी।

जिनवाणी पुरस्कार प्रदाता
डॉ. रवि लता जैन

शिरोमणि संरक्षक / परामर्शक	शिरोमणि संरक्षक /सह- परामर्शक	अधिष्ठाता	निर्देशक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	मानद् मंत्री	कोषाध्यक्ष	सहमंत्री
जैन गौरव श्री अशोक पाटनी मदनगंज-किशनगढ़	श्री तरुण काला मुंबई	डॉ. जय कुमार जैन मुजफ्फर नगर	डॉ. शीतलचन्द जैन जयपुर	श्री शांति कुमार जैन जयपुर	श्री प्रमोद जैन 'पहाड़िया' जयपुर	श्री सुरेश कुमार जैन सांगानेर	श्री ऋषभ कुमार जैन श्याम नगर	श्री दर्शन जैन

संत श्री सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं छात्रावास

परामर्शक	अधिष्ठात्री	निर्देशिका	गौरव अध्यक्षा	अध्यक्षा	उपाध्यक्षा	उपाध्यक्षा
श्रीमती सुशीला पाटनी व्रती श्रीमती शान्ता पाटनी मदनगंज-किशनगढ़	श्रीमती शीला जैन (डोड्या) जयपुर	डॉ. वन्दना जैन जयपुर	श्रीमती तारिका पाटनी आर.के. मार्बल, उदयपुर	श्रीमती रेणु राणा जयपुर	श्रीमती नीना पहाड़िया जयपुर	श्रीमती रजनी काला मुम्बई

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल एवं संयुक्त महिला संभाग समस्त पदाधिकारीगण

परम संरक्षक शिरोमणि	राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक	अंचल परामर्शक	अंचल अध्यक्ष	अंचल महामंत्री	अंचल कोषाध्यक्ष	अंचल महिला प्रकोष्ठ मंत्री	अंचल युवा प्रकोष्ठ मंत्री
श्रीमती सुशीला, श्रीमती शांता, श्रीमती तारिका पाटनी किशनगढ़	श्रीमती शीला जैन डोडिया, जयपुर	डॉ. वंदना जैन	श्रीमती शालिनी बाकलीवाल जयपुर	श्रीमती डिंपल गदिया नसीराबाद	श्रीमती विद्युत लुहाड़िया जयपुर	श्रीमती मधु पाटनी अजमेर	श्रीमती नीता गदिया केकड़ी

मुख्य संयोजक **श्री उत्तमचन्द पाटनी** श्रीमती सुशीला छाबड़ा, श्रीमती पिंकी शाह, विदुषी कु. साक्षी जैन, विदुषी कु. भव्या जैन, श्रीमती विनिता बोहरा, श्रीमती अंजना जैन, विदुषी कु. अनुभा जैन, विदुषी कु. पूर्वी जैन

शिविर संयोजिका - मंजू जैन सेवावाले, नीता जैन, कांता जैन, नीना गदिया, तारामणि जैन, आशा अग्रवाल, अंजना जैन, मैना जैन, रचना बाकलीवाल, किरण जैन, चंदा सेठी विनीता बोहरा, भंवरी जैन, सुनीता जैन, अनिला बास्को, अनिता लुहाड़िया, नीरा जैन, विनीता अजमेरा, अल्का जैन, वंदना सेठी, रेनू जैन, सुनीता शाह,

कार्यक्रम के अंत तक उपस्थित रहने वालों में से लक्की ड्रा दिया जाएगा।

ज्ञान की महा आराधना का पर्व है श्रुतपंचमी

श्रुत पंचमी पर जिनवाणी पुजन के साथ हुए अछार भेंट, ध्यान से सुनने का फल सुवग सेठ ने प्राप्त किया: क्षुल्लक विश्व प्रभ सागर जी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के पांच सौ वर्ष से अधिक बीतने के साथ ही परम्परा गत ज्ञान के क्षय ओपस में कमी को जानकर आज के दिन ही आचार्य श्री धरसेन स्वामी ने आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी आचार्य श्री भूतवलि सागर जी महाराज के द्वारा द्वासंग जिनवाणी के सार रूप श्री षटखड आगम की रचना पूर्ण कर श्री जिन श्रुत आराधना की गई तव से ही यह दिन श्रुतपंचमी के रूप मनाया जा रहा है । आज हम सब ज्ञान की आराधना का महा पर्व श्रुतपंचमी पर सुभाष गंज मन्दिर में भक्ति भाव से मना रहे हैं उक्त आश्य केउद्गार मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने व्यक्त किए। इसके पहले जैन युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने मधुर संगीत के वीच मंगलाष्टक का पाठ करते हुए कहा कि आज हम सब लोग यहां जिनवाणी माता की महा आराधना करने के लिए एकत्रित हुए हैं वर्ष में एक दिन ऐसा आता है जव सब लोग मिलकर श्रुत की आराधना रूप मां जिनवाणी का स्तवन कर महा पूजा रचाते हैं इससे पहले हम चार इन्द्रो का चयन कर जगत कल्याण की कामना के लिए शान्ति धारा करेंगे कार्यक्रम के प्रारंभ में आचार्य श्री विद्यासागर 7जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, पंचायत सदस्य प्रमोद मंगलदीप, मनीष वरखेडा, नितिन बज ने किया। इसके बाद भगवान का अभिषेक किया गया जिसका सौभाग्य सुनील कुमार, अनमोल कलेक्शन, जिनेन्द्र कुमार ईसागढ़ ,नरेंद्र कुमार जनता, प्रसुन कुमार,प्रमोद मंगलदीप परिवार को मिला । वहीं जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा करने का सौभाग्य अशोक कुमार आशीष कुमार धुर्रा परिवार, रिंकेश कुमार रूपेश कुमार कासंल परिवार को मिला। क्षयओपस बढ़ाने वाले मां जिनवाणी क्षुल्लक श्री विश्व प्रभ सागर जी महाराज को समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल के साथ ही महिला युवा वर्ग की अध्यक्षता अभिलाषा शैलेन्द्र ददा, श्रीमति वोवी सिघई कमेटी सदस्य श्रीमति रितू अजित वरोदिया महासमिति की राष्ट्रीय मंत्री इन्दू गांधी महिला परिषद की नीलू वरोदिया बहू वेटी संगठन विमर्श जागृति मंडल सुधा सागर महिला मंडल की वहनो ने सहित अन्य भक्तों ने शास्त्र भेंट किए।

महारानी फार्म दुर्गापुरा में श्रुत पंचमी महापर्व पर जिनवाणी की भव्य शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के द्वारा संचालित शिक्षण शिविर के अंतर्गत दसवें दिन श्रुत पंचमी महापर्व 24 मई 2023 के पावन अवसर पर श्री दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म जयपुर में जिनवाणी को पालकी में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शिविर संयोजिका मंजू सेवावाली व अनीता बड़जात्या के अनुसार उक्त शोभायात्रा में शिविर में भाग लेने वाले छोटे-छोटे बच्चे जैन धर्म का झंडा लेकर चल रहे थे, महिलाएं अपने सिर पर जिनवाणी लेकर व पुरुष पालकी में जिनवाणी को लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा बैंड बाजों के साथ विभिन्न मार्गों से होते हुए मंदिर जी पहुंची मंदिर जी पहुंचने पर आदिनाथ भवन में धर्म सभा के रूप में परिवर्तित हुई। धर्मसभा में पं. वीरेंद्र शास्त्री जादौन नगर व डॉ. सतेंद्र कुमार जैन शास्त्री का स्वागत मंदिर प्रबंध समिति व शिक्षिकाओं ने किया। धर्म सभा में पंडित वीरेंद्र शास्त्री श्रुत पंचमी के संबंध में प्रकाश डाला व डॉक्टर सतेंद्र कुमार जैन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर ने श्रुत परंपरा के संबंध में बताते हुए कहा कि जैन धर्म में बच्चों-बड़ों सभी को सर्वप्रथम जैनागम पर श्रद्धा रखने चाहिए, जैन धर्म के सिद्धांतों को अपनाना चाहिए तत्पश्चात कोई समस्या है तो उनका निराकरण करना चाहिए उन्होंने स्वाध्याय एवं जिनवाणी की सुरक्षा पर विशेष प्रकार डाला। धर्म सभा का संचालन मंदिर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष अरुण शाह ने किया व आभार प्रकट करते हुए मंदिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबडा ने पंडित जी ने जो कहा कि जैन कहानियों की पुस्तकें मंगवा कर बच्चों व बड़ों को संस्कारित करें तथा इस योजना को लागू करने का आश्वासन दिया एवं सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन,मन्दिर प्रबन्ध समिति के मंत्री राजेश बोहरा,कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, संतोष गंगवाल, सुरेश जैन, अशोक रावंका, अशोक बिलाला,धूप चन्द शाह, विजय सोगानी रूपचंद गोदिका आदि के साथ अनेकों महिला पुरुष व बच्चे उपस्थित थे।

भीलवाड़ा में श्रुत पंचमी महोत्सव मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्रुत पंचमी महोत्सव मनाया गया। प्रातःकाल प्रतिमाओ पर अभिषेक कर लक्ष्मीकांत जैन एवं रूपेश कासलीवाल ने शांतिनाथ भगवान पर, चांदमल जैन एवं राकेश बघेरवाल ने पार्श्वनाथ भगवान पर शांतिधारा की। इस उपरांत मंदिर से जुलूस निकला। जिसमें महिलाओं ने सिर पर जिनवाणी मां को रखकर चल रहे थे, पुरुष जैन ध्वज लिए जयकारे करते चल रहे थे। थाली बजाते, जीनवाणी मां के गीत गाते, श्रुत पंचमी के संदेशों को गुंजायमान कर रहे थे। जुलूस मंदिर की परिक्रमा कर शास्त्रों को वेदी के समीप विराजमान किया गया। मंत्री पूनम चंद सेठी ने बताया कि श्रुत पंचमी जैन धर्म में शास्त्र अवतरण का पर्व भी कहा जाता है। श्रद्धा आस्था के साथ श्रुत पंचमी की विशेष पूजा अर्चना कर अर्घ समर्पण किए। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित थे...

वेद ज्ञान

चरित्र के मायने

यह स्वर अक्सर सुनने को मिलता है कि आज आदमी, आदमी नहीं रहा। दार्शनिक-विचारक खलील जिब्रान का मार्मिक कथन है कि ईश्वर का पहला चिंतन था-फरिश्ता और ईश्वर का ही पहला शब्द था-मनुष्य। ईश्वर के प्रारंभिक दोनों ही चिंतन आज लुप्तप्राय हैं। खरबूजे को देखकर जैसे खरबूजा रंग बदलता है, वैसे ही आदमी-आदमी को देखकर रंग बदलता है। इन्हीं स्थितियों के बीच दार्शनिक डॉ. राधकृष्णन की इन पंक्तियों का स्मरण हो आया-'हमने पक्षियों की तरह उड़ना और मछलियों की तरह तैरना तो सीख लिया है, किंतु मनुष्य की तरह पृथ्वी पर चलना और जीना नहीं सीखा है। सत्य को जीना हमारे जीने का महत्वपूर्ण हिस्सा है, पर भ्रम से उपजी गलतफहमियां भी आपसी संबंधों को जख्मी बना देती हैं। कहीं कोई गलत न भी हो, पर गलतफहमी यदि हो तो फिर मन के फासले पाटने बहुत कठिन होते हैं। तब सत्य की तलाश अधूरी रह जाती है, आदमी आदमी से अलग हो जाता है। उम्र का एक चेहरा माया, छल-कपट भी है। क्षेत्र चाहे राजनीति का हो या आम जीवन का, सचाई है कहां? सब जगह दांवपेच की नीति चलती है। कथनी और करनी के बीच की दूरियां धर्म, कानून, व्यवस्था, सुरक्षा, संरक्षण और विकास की योजनाओं पर प्रश्नचिन्ह लगा देती हैं। इन सबके बीच बेचारा भोला, साफ-सुथरा, सीधा आदमी ठगा जाता है। आदमी भ्रम में जीता है। जो सुख शाश्वत नहीं है, उसके पीछे मृगमरीचिका की तरह भागता है। धन-दौलत, जर, जमीन, जायदाद कब रहे हैं इस संसार में शाश्वत। फिर भी आदमी मान बैठा कि मौत के बाद भी सब कुछ मेरे साथ जाएगा। इसलिए वह परिग्रह, मूर्च्छा, आसक्ति के चक्रव्यूह से निकल नहीं पाता और स्वार्थों के दल-दल में फंसकर कई जनम खो देता है। हर सुख-दुख बंद आंखों से देखा गया सपना होता है इसलिए उसका संवेदन नहीं होता, पर खुली आंखों से देखा गया और जीया गया जीवन भी तो कौन-सा शाश्वत है? भ्रमित चेतना उसी सुख-दुख की संवेदना पर जीती है जो सच में सिर्फ एक सपना है। इसलिए भ्रम टूटना जरूरी है। जिंदगी के सफर में नैतिक और मानवीय उद्देश्यों के प्रति मन में अटूट विश्वास होना जरूरी है।

संपादकीय

गंगा को स्वच्छ बनाने की फिर से नई पहल...

सरकार नदी किनारे स्थित चार हजार गांवों से निकलने वाले लगभग चौबीस सौ नालों को चिह्नित करके इनकी 'जियो टैगिंग' करेगी। नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों के बावजूद यह अभियान अब तक कहां तक पहुंचा है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आज भी गंगा जैसी अहम नदी को स्वच्छ बनाने की कोई नई पहल करनी पड़ रही है। हालत यह है कि अलग-अलग मौके पर लागू दिशानिदेर्शों के बावजूद कम से कम मलबा डालने पर भी रोक नहीं लगाई जा सकी है। अब एक बार फिर केंद्र सरकार ने गंगा नदी के किनारे मलबा डाले जाने या गावों का गंदा पानी नदी में गिराने से प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर संज्ञान लिया है। इसके तहत सरकार नदी किनारे स्थित चार हजार गांवों से निकलने वाले लगभग चौबीस सौ नालों को चिह्नित करके इनकी ''जियो टैगिंग'' करेगी। सरकार इनसे ठोस कचरा प्रवाहित होने से रोकने के लिए एक उपकरण 'एरेस्टर स्क्रीन' लगाएगी। यह गंगा नदी में अलग-अलग वजहों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के अलावा किया जा रहा उपाय है। अब यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव-सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। हालांकि यह अपने आप में एक सवाल होना चाहिए गंगा नदी को स्वच्छ बनाने के लिए दशकों से लागू गंगा कार्ययोजना या नमामि गंगे जैसे महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम और अन्य नीतियों के बावजूद आज भी इतनी बड़ी तादाद में ठोस कचरा या अन्य तरह की गंदगी बहाने वाले नालों पर कैसे रोक नहीं लग सकी। गौरतलब है कि गंगा नदी पर अधिकार संपन्न कार्यबल यानी ईटीएफ की पिछले महीने हुई ग्यारहवीं बैठक में यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण इसके मलबे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। इससे नदी के जल में ठोस कचरा का स्तर बढ़ गया। इससे जलमल शोधन संयंत्रों में गंदे पानी का शोधन करने में समस्याएं आ रही हैं। हैरानी की बात यह है कि करीब साढ़े तीन दशक से गंगा कार्ययोजना सहित अन्य तमाम कार्यक्रमों जैसे अभियानों के बीच क्या गंगा को प्रदूषित करने वाला यह कोई नया कारक खोजा गया है? अगर नहीं, तो इस समस्या को चिह्नित करने में इतना लंबा वक्त कैसे लग गया? यह समझना मुश्किल नहीं है कि समस्या शायद योजनाओं या कार्यक्रमों नहीं होगी, उनके अमल में बरती गई लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्त्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य हो जा सकता है। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। लगभग तीन साल पहले यह खबर आई थी कि सरकार 2022 तक गंगा नदी में गंदे नालों के पानी को गिरने से पूरी तरह रोक देगी और इस मसले पर एक मिशन की तरह काम चल रहा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नोटबंदी...

दो हजार रुपए के नोट के बदले सोने-चांदी की खरीद पर कमीशनखोरी शुरू हो गई। दो हजार रुपए के नोट बंद करने की घोषणा के साथ ही कुछ लोगों में हड़बड़ी और चिंता नजर आने लगी। इसलिए कि लोगों के मन से अभी पिछली नोटबंदी की स्मृतियां मिटी नहीं थीं। तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। ऐसे वातावरण में अफवाहों का दौर भी चलता ही है, इसलिए नोट बदलवाने में आने वाली परेशानियों को बढ़ा-चढ़ कर पेश किया जाने लगा। दो हजार रुपए के नोट के बदले सोने-चांदी की खरीद पर कमीशनखोरी शुरू हो गई। दुकानदारों ने अलग-अलग दरें तय कर दीं। इन स्थितियों से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्पष्ट किया है कि लोगों को बिल्कुल हड़बड़ाने की जरूरत नहीं है। बैंक नियमों के मुताबिक ही नोट बदले जा सकेंगे। अगर कोई पचास हजार रुपए से अधिक अपने खाते में जमा करा रहा है, तभी उससे पहचान संबंधी दस्तावेज मांगे जाएंगे। नोटों की कोई कमी नहीं है, वक्त भी पर्याप्त है। यह स्पष्टीकरण नोट बदलने की प्रक्रिया शुरू होने से एक दिन पहले उन्होंने दिया। जाहिर है, इससे लोगों के मन में बैठी शंकाओं का निराकरण हुआ है और इससे ठगी करने वालों पर लगाम लगेगी। वैसे भी सामान्य लोगों के पास दो हजार के नोट कम ही होंगे, इसलिए कि पिछले काफी समय से मशीनों से दो हजार रुपए के नोट निकल ही नहीं रहे थे, बैंकों से भी कम ही नोट मिल पाते थे। बाजार में फुटकर की समस्या को देखते हुए बहुत सारे लोग दो हजार रुपए का नोट रखने से बचते थे। इसके बावजूद अगर कुछ लोगों ने बचत के उद्देश्य से दो हजार रुपए के नोट जमा कर रखे होंगे, तो वे इतने नहीं होंगे कि उन्हें बदलवाने के लिए कई बार कतार में लगना पड़े। मुश्किलें उन लोगों के सामने खड़ी हो सकती हैं, जिन्होंने काले धन के रूप में बड़ी मात्रा में नोट जमा कर रखे हैं। हालांकि शक्तिकांत दास का कहना है कि वे आश्वस्त हैं कि दो हजार के सारे नोट रिजर्व बैंक में वापस आ जाएंगे। हालांकि इस बात का उन्होंने कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया कि इतने कम समय में नोट वापस लेने की जरूरत क्यों पड़ गई। शक्तिकांत दास का कहना है कि दो हजार रुपए के नोट इसलिए शुरू किए गए थे कि सात साल पहले की नोटबंदी के समय पैसे की किल्लत को दूर किया जा सके, वह जरूरत अब पूरी हो गई है। मगर यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि दो हजार रुपए के नोट आने के साथ ही उनकी जमाखोरी कालेधन के रूप में होनी शुरू हो गई थी। यही वजह है कि दो हजार रुपए के ज्यादातर नोट बाजार से नदारद हो गए। इसलिए रिजर्व बैंक ने भी शुरूआती तर्क यही दिया था कि दो हजार रुपए के नोट बंद करने से काले धन पर चोट पहुंचेगी। मगर बदलने के लिए इतना लंबा वक्त मिलने से कालेधन को सफेद करने में भला क्या मुश्किल होगी। पिछली बार जब तत्काल प्रभाव से नोट चलन से बाहर कर दिए गए थे, तब भी काले धन को सफेद करने में कोई मुश्किल नहीं आई थी, तो अब क्या मुश्किल होगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने बेशक नोट बदलने में कोई दिक्कत न आने का भरोसा दिलाया है, पर सच्चाई यही है कि सामान्य लोगों और कारोबारियों के लिए यह काम उतना आसान है नहीं, क्योंकि बाजार में कई दुकानदारों ने दो हजार का नोट लेना बंद कर दिया है।

जनकपुरी में श्रुत पंचमी पर षट्खंडाग़म ग्रंथ को पालकी में विराजित कर किया विधान

जिनवानी सजाओ में महिलायें भक्ति के साथ जिनवानी को थाल पलासने में सिर पर रख कर लेकर आयी, पाठशाला के बालक बालिकाओं ने लगन के साथ विधान पर चढ़ाये अर्घ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में श्रुत पंचमी महोत्सव विशेष आयोजनों के साथ मनाया गया । पाठशाला के बालक नीरेक द्वारा प्रातः नित्य की शांति धारा के बाद महिलायें जीनवाणियाँ घरों से थाल पलासने में सजाकर सिर पर रख कर लायी तथा मूल वेदी की परिक्रमा करने के बाद नियत स्थान पर विराजित की। साज बाज के साथ आर्यिका श्री पूर्णमति माताजी द्वारा रचित संगीतमय श्रुत स्कंध विधान पूजन विदुषी गरिमा, सेजल व दीपाली जैन द्वारा कराया गया। इससे पूर्व सुभाष राजेश गर्ग ने पालकी में सजे ग्रंथ का अनावरण तथा धर्म चंद सोगनी ने मंगल कलश स्थापित किया साथ ही सौभाग्यवती महिलाओं ने चतुष्ण कोणों के कलश स्थापित किए । संगीत मय विधान पूजन का उपस्थित सैकड़ों धर्म प्रेमी बंधुओ ने प्रसन्नता पूर्वक धर्म लाभ लिया। प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने तीनो विदुषियों के साथ श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर का आभार व्यक्त किया। सुनील अलका सेठी ने तीनो विदुषियों का तिलक माला के साथ सम्मान किया । विदुषियों ने श्रुत पंचमी का महत्व तथा जिनवानी को सम्भाल कर रखने हेतु समझाया। जिनवानी माता की आरती के बाद ग्रंथों को पालकी में ही लेजाकर यथा स्थान विराजित किया। प्रबंध समिति के अलावा पाठशाला संयोजको महिला मण्डल व युवा मंच के कार्यकर्ताओं का पूर्ण सहयोग रहा।

प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

जीवन को सार्थक बनाना है तो धर्म के मार्ग पर चलो तभी परमात्मा तुम्हारी रक्षा करेगा

सुनिल चपलोत.शाबाश इंडिया

सोजतसिटी। परमात्मा व धर्म से जुड़ा व्यक्ति जीवन मे राहो से नही भटक सकता है ।प्रवर्तक सुकनमुनि युवा प्रणेता महेश मुनि बालयोगी अखिलेश मुनि आदि ठाणा के बुधवार को चंडावल से श्री मरूधर केसरी गुरू सेवा समिति सोजतसिटी मे पधारने पर श्रध्दालूओ से धर्म चर्चा के दौरान सुकन मुनि महाराज ने कहां कि धर्म पर जो विश्वास रखेगा उसका कभी अहित नही हो सकता है।बल्कि धर्म उसकी रक्षा ही करेगा । धर्म ओर परमात्मा मे वो शक्ति है किसी ओर वस्तु या चीज मे नही है । मानव जीवन को सार्थक बनाना है तो धर्म के मार्ग पर चलो तभी परमात्मा तुम्हारी रक्षा करेगा।प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने बताया कि संतो के पधारने पर वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष ललित पंगारिया, महामंत्री राजेश कोरिमूथा, कोषाध्यक्ष सुरेश बलाई, प्रवीण बोहरा आदि सभी ने गुरूभगवंतो के मरूधर केसरी गुरू सेवासमिती मे पधारने पर अगवानी करते हुये अभिनन्दन किया ।

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के सभी जिनालयों में मनाया श्रुतपंचमी का पर्व

राजाबाबू गोधा. शाबाश इंडिया

फागी।फागी कस्बे के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर ,पारसनाथ जैन मंदिर , चंद्रप्रभु नसिया, तथा त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा ,मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लदाना, के जिनालयों में आज जैन समाज ने श्रुत पंचमी का पर्व मनाया जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने मीडिया को अवगत कराया कि श्रुत पंचमी का दिन ज्ञान की आराधना का महापर्व है, इस दिन श्रावक मां जिनवाणी की पूजा अर्चना करते हैं, पावन पर्व श्रुत पंचमी के दिन मंदिरों एवं घरों में रखें हुए पुराने ग्रंथों की साफ-सफाई कर भक्ति भाव से उनकी पूजा करते हैं,श्रुत पंचमी के दिन जैन मंदिरों में प्राकृत ,संस्कृत, प्राचीन भाषाओं में हस्तलिखित प्राचीन शास्त्रों को शास्त्र भंडार से बाहर निकाल कर शास्त्र भंडारों की साफ सफाई करके नए वस्त्रों में लपेट कर सुरक्षित किया जाता है तथा सभी शास्त्रों को वेदी के समीप रखकर पूजा अर्चना की जाती है।

हीरा पथ मानसरोवर जैन मंदिर में योग शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर में चल रहे धार्मिक शिक्षण शिविर के अन्तर्गत आज बच्चो व बड़ो को योगा प्रशिक्षक सुरूचि भोंच व नविता जैन के द्वारा बहुत ही सरल तरीके से योगा सिखाया गया। महासमिति संभाग अध्यक्ष तारामणी गोधा ने बताया कि योगा हमारे जीवन मे बहुत महत्वपूर्ण है।शिविर संयोजक पिंकी, साधना, जोली, प्रीति ने योगासन करवाने मे बच्चो की सहायता की ओर सभी ने बहुत ही आनंद से योगासन किए।

पूर्व मुख्य मंत्री वसुंधरा राजे ने किया सुपर मोम 2 फैशन शो का पोस्टर लॉंच

नए कॉन्सेप्ट की सराहना कर शुभकामनाएं दी

जयपुर. शाबाश इंडिया। द दिवास क्लब ओर से 4 जून को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में आर स्क्वायर इवेंट्स(संकल्प विधानी), राज खान, सच बेधड़क (विनायक शर्मा) सरस्वती प्रिंटर्स के बसंत जैन सदस्य राजस्थान पब्लिक ट्रस्ट बोर्ड देवस्थान विभाग राजस्थान सरकार के सहयोग से होने जा रहा है सुपर मोम 2 फैशन शो। ये शो सभी माँओ को समर्पित किया जाएगा। शो चार केटेगरी में डिवाइड रहेगा इण्डियन एथनिक, रॉक एंड रोल, रीजनल और वॉक विद द बम्प। इस शो में टॉक शो ''ज़िंदगी बेधड़क'' का भी आयोजन किया जाएगा। पूर्व मुख्य मंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने एक समारोह में सुपर मोम 2 फैशन शो का पोस्टर लॉंच किया।इस अवसर पर क्लब फाउंडर कीर्ति शर्मा, पूजा परिहार, सोनिया जय मल्होत्रा, नीतेश मल्होत्रा, राहुल जैन, मौजूद रहे। सीनियर पत्रकार साबिर कुरैशी भी मौजूद रहे ।

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर में निकली प्रभात फेरी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रुत पंचमी के पावन अवसर पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर में श्री विद्यासागर सर्वोदय ज्ञान पाठशाला कीर्ति नगर जयपुर, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर, संत सुधा सागर बालिका छात्रावास सांगानेर जयपुर एवं श्री दिगंबर जैन महिला महा समिति राजस्थान अंचल एवं संयुक्त संभागों के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक शिक्षण शिविर के बच्चों के लिए प्रभात फेरी एवं श्रुत पंचमी पूजा एवं श्रुत स्कंध विधान का आयोजन किया गया । साथ ही शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता भी रखी गई जिसमें समाज के सभी लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। पूजन पाठशाला के अध्यापक आनंद भैया जी के द्वारा कराई गई। साथ ही पाठशाला की अध्यापिकाएं श्रीमती आशा लुहाड़िया, पूनम तिलक, अनीता वेद, अनीता छाबड़ा आदि का भी सहयोग रहा। मंदिर प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी के अध्यक्ष टीकमचंद बिलाला, मंत्री जगदीश जैन, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र जैन, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कांता सोगानी आदि ने भी उपस्थित रहकर सहयोग किया। सभी बच्चों को श्रुतपंचमी के महत्व को बताया गया सभी बच्चों ने हाथ में शास्त्रजी लेकर गाजे-बाजे से मंदिर की परिक्रमा लगाकर प्रभात फेरी निकाली बच्चों के माता-पिता ने भी ने इस पुण्य कार्य में शामिल होकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया एवं पुण्य का संचय किया ।

हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में भगवान धर्म नाथ का निर्वाण महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में 15 वे तीर्थंकर भगवान धर्म नाथ के मोक्ष कल्याणक निर्वाण महोत्सव पर सुख समृद्धि एवम विश्व शांति की कामना से शांति धारा की गई है एवम निर्वाण दिवस पर निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य संजय कुमार, ऋषभ लुहाड़िया परिवार ने प्राप्त किया। इस मांगलिक अवसर पर समाज के ब्रह्मचारी डी आर जैन, सुभाष, शांति, देवेंद्र, पवन, पंकज समाज के अन्य श्रेष्ठि गण मौजूद रहे।

केसर चौराहा जैन मंदिर में श्रुत पंचमी पर निकली भव्य जिनवाणी शोभा यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर केसर नगर केसर चौराहा मुहाना मंडी रोड पर श्रुत पंचमी के पावन अवसर पर मां जिनवाणी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई । उसके पश्चात अभिषेक , शांतिधारा हुई । आज की शांति धारा के पुण्यार्जक भाई सुशील माधवन राजपुरा वाले थे। शांतिधारा के पश्चात श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के विद्वान पंडितो के तत्वावधान में मंदिर जी कमेटी के अध्यक्ष महावीर कासलीवाल एवम मंत्री नरेश जैन के नेतृत्व में समाज के बच्चों व महिलाओं द्वारा मां जिनवाणी की भक्ति भाव से पूजा अर्चना की गई ।

झोटवाड़ा संभाग मे 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा में दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान आंचल के झोटवाडा संभाग की श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा इकाई के संयुक्त तत्वावधान में रविवार दिनांक 14 मई 2023 से 23 मई 2023 तक धर्मशाला प्रांगण में ग्रीष्मकालीन शिक्षण शिविर मंदिर प्रबंध समिति एवम समाजबंधुओं के सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर समापन समारोह का दीप प्रज्वलन श्रीमती मुन्नी देवी राजीव कुमार पाटनी करनसार वालों ने एवं ताराचंद बसंत कुमार बडजात्या, बागडो के बास वालो ने किया। शिविर में समाज के धर्म प्रेमी बंधुओ द्वारा प्रतिदिन दीप प्रज्वलन किया गया । प्रोत्साहन स्वरूप बच्चो को गेम खिलाकर आकर्षक पुरुस्कार भी वितरित किए गये। प्रतिदिन बच्चो को अभिषेक एवं शांतिधारा सिखाई गई। इकाई अध्यक्ष राकेश बढ़जात्या के अनुसार शिविर की कक्षाएं विद्वान अनुराग पंडित एवम झोटवाड़ा की ही शिक्षिकाओ द्वारा ली गई। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक पवन पांड्या, मुख्य संयोजक राजेश सेठी एवम सुमन बड़जात्या ने बताया कि इसके अलावा शाम को प्रोजेक्टर पर भक्तामर की कक्षाएं अलग से संचालित की गई। इस धार्मिक शिविर में पाठशाला संयोजकगण श्रीमती सुमन बड़जात्या, श्रीमती रेखा छाबड़ा,श्रीमती रीना बिंदायका,श्रीमती नीता पाटनी एवम श्रीमती अल्पना जैन के द्वारा अध्यापन के साथ साथ शिविर से सम्बन्धित कार्य संपादित किए गये। शिविर के अन्य सभी प्रकार की व्यवस्थाओं को पूर्ण करने में अमित पाटनी के द्वारा भी महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। इस शिविर में बच्चो को प्रथम भाग, द्वितीय भाग, तृतीय भाग, छहढाला एवम भक्तामर सिखाया गया। जिसमे बच्चो के साथ साथ परिवारजनों ने भी हिस्सा लिया जिससे धर्म प्रभावना बढ़ी।

साहित्य सरोकार संवाद कार्यक्रम सफल साहित्यिक पहल

कार्यक्रम में तीन काव्य संग्रह पुस्तकों का विमोचन हुआ

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। साहित्य सरोकार संवाद कार्यक्रम गरिमा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय महाविद्यालय राघौगढ़ के प्राचार्य डॉ जवाहरलाल दुबे थे। विशेष अतिथि हिंदूपत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य डॉ विनोद सिंह भदौरिया एवं वरिष्ठ पत्रकार विजय कुमार जैन थे। कार्यक्रम के सूत्रधार वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि राघवेंद्र भूषण सिंह परिहार थे। हाल ही में परिहार द्वारा लिखित तीन काव्य संग्रह पुस्तकों 'मन की पीड़ा' 'जिंदगी की तलाश' एवं 'काव्य कुंज' का समारोह पूर्वक विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ जवाहरलाल दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा साहित्य साधना निरंतर जारी रहना चाहिए। राघवेंद्र भूषण सिंह परिहार ने कोरोना काल में संत पीपा भगत पर काव्य ग्रंथ की रचना कर रचनाकर साहित्य के क्षेत्र में प्रवेश किया। हाल ही में आपके जो तीन काव्य संग्रह प्रकाशित हुए हैं उनमें आपने कविताओं के माध्यम से जनमानस को प्राचीन गौरवशाली संस्कृति का स्मरण कराया है. आपने कहा वर्तमान में समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने साहित्यकारों को आगे आना होगा। डॉ विनोद सिंह भदोरिया ने परिहार जी की दो कविताओं का पाठ कर उन कविताओं की विस्तृत व्याख्या की। आपने कहा परिहार उच्च कोटि के साहित्यकार एवं कवि हृदय हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सखी गुलाबी नगरी संस्था का कार्यक्रम

सशक्त, शिक्षित एवं स्वावलम्बी महिला बनती है देश की प्रगति में भागीदार: गहलोत

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि एक सशक्त, शिक्षित एवं स्वावलम्बी महिला देश की प्रगति में भागीदार बनती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक सम्बल देने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। गहलोत बुधवार को बिड़ला सभागार में सखी गुलाबी नगरी संस्था के 'तारंगना 23' समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की कमान अगर महिला के हाथ में हो, तो उसका भविष्य उज्ज्वल है। देश में पहली बार महिलाओं को सत्ता में भागीदारी देने का मार्ग पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी द्वारा प्रशस्त किया गया था। राजीव गांधी ने पंचायती राज एवं नगर निगम में महिलाओं को आरक्षण देने का प्रावधान किया था, जिसके फलस्वरूप आज महिलाएं सरपंच, प्रधान, जिला प्रमुख तथा मेयर आदि पदों पर निर्वाचित हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के दृढ़ निश्चय और निर्णयों को भी महिलाओं के लिए प्रेरणादायी बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को केन्द्र में रखकर कई महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाएं बनाई गई हैं। राज्य सरकार ने 1.35 करोड़ चिरंजीवी परिवारों का मुखिया भी महिलाओं को बनाया है। आज सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण दिया जा रहा है। रोडवेज बसों से सफर करने पर महिलाओं को 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। उन्हें आर्थिक सम्बल प्रदान करने के लिए अर्बन महिला को-ऑपरेटिव बैंक की शुरूआत की जा रही है। वृद्ध, विधवा एवं एकल नारी को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। गहलोत ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य में डेढ़ करोड़ महिलाओं को तीन साल के इंटरनेट डाटा युक्त निःशुल्क स्मार्टफोन चरणबद्ध रूप से दिए जाएंगे। रक्षा बंधन पर पहले चरण में 40 लाख महिलाओं को निःशुल्क स्मार्टफोन दिए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा पिछले चार सालों में 303 नए महाविद्यालय खोले गए हैं, जिनमें 130 महिला महाविद्यालय शामिल हैं। साथ ही, 500 से अधिक बालिकाओं वाले स्कूलों को महाविद्यालय में क्रमोन्नत किया जा रहा है। महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य व

स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण एवं जागरूकता हेतु 600 करोड़ रुपए की लागत से उडान योजना लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान नारीशक्ति को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए एक्सीलेंस पुरस्कार भी वितरित किए। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. बीड़ी कल्ला ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उड़ान जैसी महत्वकांक्षी योजना इसी परिकल्पना को साकार करती है। सखी गुलाबी नगरी की अध्यक्षा सारिका जैन ने संस्था की गतिविधियों एवं उपलब्धियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संस्था की महिला सदस्य उपस्थित थीं।

लाडनूं में श्रुत पंचमी महापर्व मनाया गया

राज पाटनी. शाबाश इंडिया

लाडनूं. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर जी में जैन समाज ने श्रुत पंचमी का महापर्व मनाया। इस अवसर पर जैन धर्म व दर्शन के विद्वान डॉ. सुरेन्द्र जैन ने अवगत कराया कि श्रुत पंचमी का दिन ज्ञान की आराधना का महापर्व है, उन्होंने बताया कि इस अवसर पर श्रावकों ने मंदिर में विराजित विख्यात, प्राचीन व कलात्मक मां सरस्वती की प्रतिमा की वंदना की, तथा जिनेंद्र भगवान की प्रतिमाओं की शांतिधारा व अभिषेक किये व मंदिर में रखें प्राकृत, संस्कृत व अन्य भाषाओं के प्राचीन व हस्तलिखित तथा नवीन ग्रंथों की विनय पूर्वक व भक्ति भाव से विधि विधान पूर्वक पूजा की गई। उन्होंने कहा कि इस दिन जैन आचार्य धरसेन के शिष्य आचार्य पुष्पदंत एवं आचार्य भूतबली ने षट्खंडागम शास्त्र की रचना की थी उसके बाद ही भारतवर्ष में श्रुतपंचमी को पर्व के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में समाज के बड़ी संख्या में महिला पुरुष व बच्चों की उपस्थिति रही।

मानसरोवर जयपुर चातुर्मास हेतु विहार यात्रा गतिमान

जयपुर. शाबाश इंडिया

मदनगंज खोड़ा गणेश रोड स्थित, श्रमण सूर्य पैलेस में परम पूज्या महाश्रमणी, राजस्थान सिंहनी, गुरुमाता महासती श्री पुष्पवती जी (माताजी) म.सा. आदि ठाणा - 7 के मंगलमय पदार्पण के क्षणों में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को संबोधित करते हुए, उपप्रवर्तिनी, मरुधरा शिरोमणि, सद्गुरुवर्या डॉ. श्री राजमती जी म. सा. ने फरमाया - प्रत्येक व्यक्ति फल की आशा रखकर काम करता हैं। मगर प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषार्थ करने से पूर्व यह देख लेना चाहिए की उसका आधार कैसा हैं। जिस प्रकार किसान ऊसर भूमि में बीज बोता है तो उसका परिश्रम बेकार जाता है। मानसरोवर जयपुर संघाध्यक्ष राजेन्द्र जैन राजा व मंत्री प्रकाश चन्द लोढा ने अपनी कार्यकारणी के साथ पहुंचकर, पूज्या गुरूवर्या पुष्प राज आदि ठाणा-7 के दर्शन करते हुए बताया कि हमारे मानसरोवर संघ के पुण्योदय से इस वर्ष हमें मरुधरा की महान महासाध्वी जी का चातुर्मास करवाने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। महासतीवृन्द अभी ब्यावर, अजमेर क्षेत्र को पावन करते हुए मदनगंज किशनगढ़ की धरा पर पधारे हैं। कुछ दिन मदनगंज किशनगढ़ में प्रवास के पश्चात सिलोरा, दूदू आदि क्षेत्रों को पावन करते हुए गुलाबी नगरी जयपुर मानसरोवर श्री संघ के तत्वावधान में 26/6/2023 को चातुर्मास हेतु मंगलमय प्रवेश करने की सुखे समाधे सम्भावना है। हमारा श्री संघ आप सभी धमार्नुरागियों से सादर सविनय निवेदन करता हैं कि आप सभी 26 जून 2023 को चातुर्मास हेतु भव्य मंगलमय प्रवेश में अवश्य पधारकर हमें अनुग्रहित करें।

महासतीवृन्द अभी ब्यावर, अजमेर क्षेत्र को पावन करते हुए मदनगंज किशनगढ़ की धरा पर पधारे हैं...

धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर के दौरान मनाया श्रुत पंचमी समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एस. एफ. एस. राजावत फार्म मानसरोवर में श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मानसरोवर संभाग द्वितीय के तत्वावधान में चल रहे शिक्षण शिविर के दौरान बुधवार को श्रुत पंचमी का समारोह मनाया गया। समारोह में सभी शिक्षार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रातः नित्य नियम अभिषेक व शांति धारा के बाद पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात प्रशिक्षण शिविर के भाग-प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के शिक्षार्थियों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

छह ढाला के शिक्षार्थियों द्वारा जुलूस निकाला गया जिसमें भाग-1 के शिक्षार्थियों को केसरिया ध्वज ,भाग 2 के बच्चों को पचरंगा ध्वज एवं भाग-3 के शिक्षार्थियों ने जिनवाणी लेकर तथा छह ढाला कक्षा के सभी शिक्षार्थियों ने शास्त्र सिर पर रखकर गाजे-बाजे के साथ जुलूस में सहभागिता निभाई। **श्रुत पंचमी जिनवाणी जुलूस मंदिर से बाहर घूम कर वापस मंदिर में पहुंच कर संपन्न हुआ:** महिला महासमिति मानसरोवर संभाग द्वितीय की संस्थापक अध्यक्ष उर्मिला पाटनी एवं अध्यक्ष नीना गदिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व शिविर में छह ढाला के संयोजक के.सी. जैन एवं सुधासागर छात्रावास से आई हुई विदुषी सुश्री रिया जैन व आस्था जैन का मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ राजेश काला, महामंत्री सौभाग मल जैन , संभाग की संस्थापक अध्यक्ष उर्मिला पाटनी व अध्यक्ष नीना गदिया द्वारा स्वागत व सम्मान किया गया।

शिविर समापन पर पुरस्कार वितरण 26 मई को: संभाग की संस्थापक अध्यक्ष उर्मिला पाटनी व अध्यक्ष नीना गदिया ने बताया कि शिविर दिनांक 26 मई 2023 को सभी शिक्षार्थियों को पुरस्कार वितरण कर शिविर का समापन किया जाएगा।

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर में में श्रुत पंचमी मनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति एवम श्रमण संस्कृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर में धार्मिक शिक्षण शिविर 14 मई रविवार 2023 से चल रहा है। इस शिविर के तत्वाधान में दिनांक 24 मई 2023 बुधवार को ''मां जिनवाणी की रचना के पावन दिन'' को बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। आज के दिन मां जिनवाणी का जुलूस निकाल कर पूरे समाज में धर्म की प्रभावना की गए। इस जुलूस में पुरुषों ने महिलाओं ने तथा बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। आज श्रुत पंचमी के अवसर पर मां जिनवाणी की स्थापना करके विदुषी मुस्कान दीदी द्वारा मां जिनवाणी की पूजा बहुत ही धूम धाम तरीके से करवाई गई इसके बाद एक बहुत ही सुंदर मंगलाचरण की प्रस्तुति स्थानीय समाज की महिलाओं द्वारा दी गई। मंगलाचरण के बाद श्रुत पंचमी पे बहुत ही सुंदर नाटक की प्रस्तुति दी गए जिसमे मां जिनवाणी के महत्व को बताया गया। आज ही के दिन जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता भी रखी गए जिसमे लगभग 30 लोगो ने भाग लिया एवम बहुत ही सुंदर तरीके से जिनवाणी सजा कर लाए इसमें प्रथम, द्वितीय एवम तृतीय पुरुस्कार भी रखा गया। इसके पश्चात पार्श्वनाथ संभाग की अध्यक्ष श्रीमती नीता जी जैन ने भी श्रुत पंचमी के महत्व के बारे में सभी बच्चों एवम महिलाओं को बहुत ही सुंदर एवम सरल तरीके से बताया साथ ही पार्श्वनाथ संभाग की मंत्री श्रीमती भंवरी देवी जी ने बच्चो से श्रुत पंचमी पे प्रश्न पूछे तथा उन्हें पारितोषिक प्रदान किया तथा अंत में समाज श्रेष्ठी आतम बोहरा की तरफ से बच्चो को अल्पाहार देकर शिविर का समापन किया गया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

पद, पैसा, प्रतिष्ठा, सिर्फ बड़ा आदमी बनने के लिए नहीं बल्कि अच्छा इन्सान बनने का अवसर है..!

क्योंकि तब तक पूजे व पूछे जाओगे जब तक काम आओगे अन्यथा पद छूटते ही जीवन ऐसा हो जाता है जैसे पके आम से गोई निकल गई हो.. आओ जानें - पद छूटने के बाद कौन व्यक्ति देश का कौन सा नागरिक बन जाता है-? प्रोटोकॉल के अनुसार देश में 26 तरह के नागरिक होते हैं। गृह मंत्रालय में इसकी सूची बनी हुई है। हम सबको इतना तो ज्ञात हो कि देश में किन पदों पर आसीन व्यक्ति किस नंबर के नागरिक होते हैं। आप हम जानते हैं कि राष्ट्रपति राष्ट्र का प्रथम नागरिक होता है। लेकिन रिटायर होने के बाद वो कौन से नंबर पर आ जाते हैं--? देश के पहले नागरिक- राष्ट्रपति जी। देश के दूसरे नागरिक - उप राष्ट्रपति जी। देश के तीसरे नागरिक - प्रधानमन्त्री जी। देश के चौथे नागरिक - राज्यपाल (सभी राज्यों के) देश के पांचवे नागरिक - पूर्व राष्ट्र पति एवं पूर्व प्रधान मन्त्री। देश के छठे नागरिक - भारत के मुख्य न्यायाधीश एवं लोक सभा अध्यक्ष। देश के सातवें नागरिक - केन्द्रीय कैबिनेट मन्त्री एवं मुख्य मन्त्री (सभी राज्यों के), योजना आयोग उपाध्यक्ष (वर्तमान में नीति आयोग), पूर्व प्रधान मन्त्री, राज्य सभा, लोक सभा में विपक्ष के नेता एवं भारत रत्न पुरस्कार विजेता। देश के आठवें नागरिक - भारत में मान्यता प्राप्त राजदूत, (सम्बंधित राज्यों से बाहर के), गवर्नर्स (अपने सम्बंधित राज्यों से बाहर के)। देश के नौवें नागरिक- सुप्रीम कोर्ट के जज, यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) के चेयरमैन, चीफ इलेक्शन कमिश्नर, भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक।

शेष -- कल।

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

श्रुत पंचमी महापर्व के साथ भव्य सम्यग्ज्ञान शिक्षण एवं भक्तामर शिक्षण शिविर समापन समारोह संपन्न हुआ

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। बुधवार की अनुपम बेला में श्रुतपंचमी महामहोत्सव मनाया गया इस अवसर पर शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में श्रीजी का स्वर्ण कलशो के साथ 108 मंत्रो से युक्त अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। जिसमे प्रथम कलश करने का पुण्य लाभ ब्रह्मचारिणी रीना दीदी गणेशलाल मोहित शोभित रोहित ढाबला वाले परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं प्रथम शांतिधारा का पुण्य लाभ श्रीमान सुरेश कुमार सिद्धार्थ कुमार बाबरिया परिवार एवम द्वितीय शांतिधारा का लाभ प्रद्युमन कुमार अमन अभिकरण अमय अमोय सुरलाया परिवार को प्राप्त हुआ। इन अनुपम क्षणों में संगीतमय जिनवाणी पूजन की गई । इसके उपरांत श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्त्वाधान में आयोजित शिक्षण शिविर का समापन हुआ, जिसमे सैकड़ों की संख्या में समाजजनों ने बीते कुछ दिनों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और मंगलवार को हुई परीक्षा में भी भाग लिया । जिसका परिणाम बुधवार को पूजन के उपरांत जारी किया गया और पुरस्कार वितरण समारोह हुआ जिसमे अलग अलग वर्गों की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वालों के साथ सभी को पुरस्कृत किया गया । **यह रहे प्रथम, द्वितीय, तृतीय:** कनिष्ठ वर्ग में बाल बोध भाग 1 में आर्वी सबद्रा प्रथम, अनुभव शाह द्वितीय, काव्या जैन तृतीय रहे । बाल बोध भाग 2 में सुहानी जैन प्रथम, सारांश जैन द्वितीय और प्रांजल जैन तृतीय स्थान पर रहे। छहढाला इष्टोपदेश में नियति जैन प्रथम, हर्षिता जैन द्वितीय और गविक जैन तृतीय स्थान पर रहे । वरिष्ठ वर्ग में पूजन प्रशिक्षण में पुरुषों में सिद्धार्थ बाबरिया प्रथम, देवांश जैन ढाबला द्वितीय, नीरज जैन तृतीय स्थान पर रहें वहीं महिलाओं में विवेका दुगेरिया प्रथम, रेखा शाह और मनीषा बाकलीवाल संयुक्त रूप से द्वितीय और रेखा बाबरिया तृतीय स्थान पर रही। वरिष्ठ वर्ग में भक्तामर महिमा में पुरुष वर्ग में सिद्धार्थ बाबरिया और प्रदीप लुहाड़िया संयुक्त रूप से प्रथम, प्रदीप शाह एवं शोभित जैन ढाबला संयुक्त रूप से द्वितीय और भूपेंद्र जैन तृतीय स्थान पर रहे ।

सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा भक्तिभाव से मनाया गया श्रुत पंचमी महापर्व

जैन महिला मंडल के तत्वाधान में हुए धार्मिक कार्यक्रम

विवेक पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। सकल दिगंबर जैन समाज सीकर द्वारा शहर के समस्त जिनालयों में श्रुत पंचमी पर्व उत्साह पूर्वक मनाया गया। विवेक पाटोदी ने बताया कि इस दिन समस्त जिनालयों में धर्म शास्त्रों का विशेष रख-रखाव किया जाता है। शास्त्र भंडार से निकालकर उनकी साफ-सफाई की जाती हैं और जिल्द चढ़ा नवीन वस्त्रों में लपेटकर श्रद्धापूर्वक रखा जाता हैं , जिससे ज्ञान के साधन (शास्त्र) लंबे समय तक सुरक्षित रखे जा सकें , इसके अलावा जिनवाणी (सरस्वती) की विशेष पूजन, शास्त्र वाचन आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते है । जैन महिला मंडल सीकर के तत्वावधान में दीवान जी की नसियां में श्रुतपंचमी पर्व बहुत ही भक्तिभाव एवम हर्षोल्लास से मनाया गया । महिला मंडल अध्यक्ष गुड्डी जयपुरिया व मंत्री बबिता काला ने बताया कि प्रातः गाजे - बाजे के साथ प्रमुख जैन शास्त्रों को सिर पर धारण करके दीवान जी की नसियां से शोभायात्रा निकाली गई। जो जाट बाजार से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गो से होते हुए पुनः दीवान जी की नसियां स्थित मंदिर जी पहुंची। तत्पश्चात मां जिनवाणी के जयकारों के साथ पूरे भक्तिभाव से शास्त्र जी को उच्चासन पर विराजमान कर पूजा अर्चना की गई । पंडित आशीष जैन शास्त्री के सानिध्य में भक्तिमय 'श्रुत पंचमी विधान' का आयोजन किया गया। इस दौरान समस्त महिला मंडल सदस्य व समाज के धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

श्रुत पंचमी महापर्व की विशेषता

पंडित आशीष जैन शास्त्री ने बताया कि ज्ञान को सदियों तक सुरक्षित रखने के लिए इसका लिपिबद्ध होना भी जरूरी है । अतः ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के दिन पहली बार जैन ग्रंथ लिखा गया था । प्रति वर्ष इस तिथि को श्रुत पंचमी पर्व अर्थात जिनवाणी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन जैन आचार्य श्री धरसेन के शिष्य आचार्य श्री पुष्पदंत एवं आचार्य श्री भूतबलि ने षटखंडागम शास्त्र की रचना की थी। इसके बाद से ही भारत में श्रुत पंचमी को पर्व के रूप में मनाया जाने लगा ।

अ.भा. जैन विद्वत् परिषद् का विद्वत् सम्मेलन सम्पन्न

ग्वालियर. शाबाश इंडिया

वीतराग विज्ञान शिक्षण- प्रशिक्षण शिविर के अवसर पर श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत परिषद् का विद्वत सम्मेलन श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य एवं विद्वत परिषद् के कार्याध्यक्ष डॉ. शान्तिकुमार पाटिल की अध्यक्षता, श्री टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के महामंत्री- परमात्म प्रकाशजी भारिल्ल एवं टोडरमल स्नातक परिषद् के अध्यक्ष पण्डित अभयकुमारजी जैन देवलाली के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मंचासीन अतिथियों का स्वागत शिक्षण प्रशिक्षण शिविर आयोजक समिति के सुनील कुमार सर्राफ, विकास मोदी आदि ने किया। मंगलाचरण रजत जैन शास्त्री ने किया। सर्व प्रथम विद्वत परिषद् के महामंत्री डॉ.अखिल बंसल जयपुर ने परिषद् का सामान्य परिचय दिया जिसमें पूज्य गणेश प्रसादजी वर्णी द्वारा 51 विद्वानों एवं साहू शान्तिप्रसादजी की साक्षी में वीर शासन जयन्ती के अवसर पर 2 नवम्बर 1944 को विद्वत परिषद की स्थापना, सम्पन्न हुए अधिवेशनों के सभाध्यक्षों के विशिष्ट वक्तव्य एवं परित प्रस्ताव, ग्रंथ प्रकाशन, विद्वत सन्देश त्रैमासिक शोध पत्रिका का प्रकाशन एवं पण्डित कैलाश चन्द सिद्धान्ताचार्य, पण्डित फूलचन्द जैन सिद्धान्त शास्त्री वनारस, पण्डित दरवारीलाल कोठिया, डॉ. नेमीचन्द जैन इन्दौर आदि

विद्वानों के योगदानों का स्मरण किया। सन् 2003 से 2023 तक आजीवन अध्यक्ष रहे आदरणीय हुकमचन्द भारिल्ल के योगदान एवं रीति- नीति की सराहना की। आचार्य विद्यानन्दजी महाराज एवं भट्टारक चारुकीर्ति को समाज में समन्वय, सद्भावना एवं विद्वानों के प्रति प्रेम के कारण हमेशा याद किया जाता रहेगा। वर्तमान में नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रो.डॉ. वीर सागर जैन की विशेषताओं की चर्चा की गई। तत्पश्चात डॉ. अरविन्द कुमार जैन जयपुर राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने विद्वत्परिषद की नव गठित प्रादेशिक कार्यकारिणियों का परिचय दिया गया एवं परिषद् की कुछ विशिष्ट भावी योजनाओं का प्रस्ताव रखा जैसे- अप्रकाशित प्राचीन पाण्डुलिपियां का सम्पादन, अनुवाद एवं प्रकाशन करना, तीर्थ सुरक्षा एवं पुरातत्व संरक्षण, वहिष्कृत एवं परिवर्तित जैन जातियों / जैन परिवारों को जैन धर्म की मुख्य धारा में लाना, विदेशों में जैन धर्म का प्रचार, इन्टरनेट पर जैन धर्म प्रामाणिक सामग्री उपलब्ध कराना, जैन पाठशालाओं की स्थापना, व्याख्यान माला आदि। प्रत्येक प्रदेश में एक एक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मंत्री को संबंधित प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया जो कार्यकारिणी का गठन एवं संचालित गतिविधियों का पर्वेक्षण करेगे। अभी तक गठित राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, गुजरात एवं मध्यप्रदेश की 21से 31 सदस्यीय कार्यकारिणियों का परिचय दिया गया।